

भर्तियों का भण्डार है एसएससी

कर्मचारी चयन आयोग (Staff Selection Commission) केन्द्र सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालयों और विभागों CAG, CDBT, CBI, CVC, IB, AFHQ, CBIC, CBN, NIA, CSS, Railway Board, BRO, CPWD, EC, CIC, BSF, SSB, CISF, SSF, ITBP, AR के विभिन्न पदों के लिए ग्रुप B और ग्रुप C के अधिकारियों व कर्मचारियों की भर्ती करता है यथा :-

1. सहायक लेखाधिकारी (AAO)	2. आयकर निरीक्षक (IT)
3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षक	4. प्रिवेन्टीव ऑफिसर निरीक्षक
5. सहायक प्रवर्तन अधिकारी (AEO)	6. सहायक सेक्शन ऑफिसर (ASO)
7. डाक निरीक्षक	8. जूनियर सांख्यिकी अधिकारी (JSO)
9. लेखाकार या कनिष्ठ लेखाकार	10. ऑडिटर
11. कर सहायक	12. सीनियर सचिवालय सहायक
13. डाटा एन्ट्री ऑपरेटर (DEO)	14. कनिष्ठ लिपिक (LDC)/ कनिष्ठ सचिवालय सहायक (JSA)
15. सिपाही	16. उप निरीक्षक
17. जूनियर इंजीनियर (JEN)	18. स्टेनोग्राफर
19. जूनियर एवं सीनियर हिन्दी अनुवादक	20. चपरासी इत्यादि

S.S.C. द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाएँ :-

1. SSC MTS Exam	2. SSC CHSL Exam
3. SSC CGL Exam	3. SSC Stenographer Exam
5. SSC GD Constable Exam	6. SSC CDO Exam
7. SSC JE Exam	8. SSC JHT Exam

- ❖ कर्मचारी चयन आयोग (SSC) द्वारा आयोजित परीक्षाओं हेतु आवेदन प्रक्रिया :- कर्मचारी चयन आयोग (SSC) द्वारा समय-समय पर विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु नोटिफिकेशन जारी किया जाकर उन पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आयोग (SSC) की अधिकारिक वेबसाइट www.ssc.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन निर्धारित शुल्क के साथ भर सकते हैं। आयोग (SSC) द्वारा ऑनलाइन ही प्रवेश पत्र जारी कर ऑनलाइन या ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं का विवरण इस प्रकार है-

11. (1) एस.एस.सी. एम.टी.एस. परीक्षा(SSC MTS Exam) :

यह परीक्षा आयोग (SSC) द्वारा प्रत्येक वर्ष भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों व संगठनों में Group C (Non Clerical) के खाली पदों के लिए आयोजित की जाती है। एम.टी.एस. परीक्षा(Multi Tasking Staff) के तहत अनेक पद आते हैं।

पात्रता	परीक्षा प्रक्रिया
1. नागरिकता : भारतीय नागरिक हो या भूटान, नेपाल का नागरिक हो साथ ही तिब्बती शरणार्थी, भारतीय मूल के स्थाई प्रवासी भी कुछ शर्तों के साथ पात्र हैं।	1. एस.एस.सी. एम.टी.एस. परीक्षा- (नॉन टेक्नीकल) परीक्षा दो चरणों में आयोजित करता है:- (A) प्रथम चरण लिखित परीक्षा : • प्रथम प्रश्न पत्र में बहुविकल्पीय प्रकार के 100 अंक के 100 प्रश्न होंगे। • यह परीक्षा कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। • प्रश्न पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगा तथा चार भागों में विभाजित होगा। • प्रश्न पत्र की समयावधि 90 मिनट होगी। • प्रश्न पत्र प्रारूप (a) सामान्य बुद्धि एवं तार्किक योग्यता, (b) संख्यात्मक योग्यता, (c) सामान्य अंग्रेजी, (d) सामान्य जागरूकता,
2. आयु : 18 से 25 वर्ष के बीच होनी	

<p>चाहिए। OBC वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, SC/ST वर्ग के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, दिव्यांगजन व भूतपूर्व सैनिकों को भी नियमानुसार ऊपरी आयु में छूट है।</p> <p>3. शैक्षिक योग्यता : आवेदक किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्था से 10वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।</p>	<p>—ये चार भाग होंगे प्रत्येक भाग से 25 प्रश्न होंगे।</p> <ul style="list-style-type: none"> सही उत्तर देने पर 1 अंक मिलेगा तथा गलत उत्तर के लिये 0.25 अंक काटे जाएँगे। <p>(B) द्वितीय चरण—लिखित परीक्षा :</p> <ul style="list-style-type: none"> प्रथम चरण की परीक्षा में निर्धारित वर्गवार न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण में बैठने की अनुमति होगी। यह प्रश्न पत्र वर्णनात्मक होगा तथा ऑफलाइन आयोजित होगा। इस प्रश्न पत्र में अभ्यर्थी को एक निबंध या एक पत्र लिखना होगा। अभ्यर्थी निबंध या एक पत्र अंग्रेजी भाषा के अलावा संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल किसी भी भाषा में लिख सकेगा। यह प्रश्न पत्र क्वालिफाई करने हेतु न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे। इस प्रश्न पत्र में अभ्यर्थी को 30 मिनट की अवधि में 250 शब्दों में निबंध या 150—200 शब्दों में पत्र लिखना होगा जो 50 अंक का होगा। अभ्यर्थी व्याकरणिक शुद्धि, सरल वाक्य रचना, सही शब्द चयन निरंतर अभ्यास से अधिक अंक पा सकेगा। अंतिम चयन : आयोग (SSC) अभ्यर्थी द्वारा परीक्षा के दोनों चरणों में अर्जित अंक से मेरिट बनाकर आवेदक द्वारा भरी गई पोस्ट की वरीयता, मेरिट व श्रेणी के अनुसार पोस्ट का आवंटन करता है।
---	---

11.2 एस.एस.सी. सी.एच.एस.एल. परीक्षा (SSC Combind Higher Secondary Level)

Exam.): कर्मचारी चयन आयोग द्वारा संयुक्त उच्चतर माध्यमिक स्तर परीक्षा भारत सरकार के विभिन्न विभागों, मंत्रालयों, संगठनों आदि में डाटा एंट्री ऑपरेटर(D.E.O.), कनिष्ठ लिपिक (L.D.C.), जूनियर सचिवालय सहायक (J.S.A.), कोर्ट क्लर्क (Court Clerk), डाक सहायक (Postal Assistants) आदि खाली पदों को भरने के लिए आयोजित की जाती है।

(A) आवेदन हेतु योग्यताएँ :

आयु	शैक्षणिक योग्यता
1. 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, एससी/एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, दिव्यांगजन व भूतपूर्व सैनिकों को भी नियमानुसार ऊपरी आयु में छूट है।	1. किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10+2 कक्षा या समान स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण हो। 2. C & AG कार्यालय में डाटा एंट्री ऑपरेटर (D.E.O.) पद हेतु 12वीं कक्षा विज्ञान संकाय में गणित विषय के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

(B) परीक्षा प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रम : एस.एस.सी. सी.एच.एस.एल. (SSC CHSL) की परीक्षा का आयोजन तीन चरणों में किया जाता है।

1. प्रथम चरण : लिखित परीक्षा

- यह कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन परीक्षा होगी।
- प्रत्येक सही उत्तर के लिए 2 अंक देय होंगे तथा गलत उत्तर के लिए 1/4 अंक काटे जाएँगे।

(3) प्रश्न पत्र का प्रारूप

भाग	विषय	प्रश्न सं.	अंक	समय
-----	------	------------	-----	-----

A	सामान्य बुद्धि एवं तर्क (सोचने व समस्या निवारण कौशल की क्षमता परीक्षा)	25	50	1 घंटा (दिव्यांग व दृष्टिहीन को 20 मिनट अतिरिक्त)
B	संख्यात्मक योग्यता (गणितीय कौशल का परीक्षण)	25	50	
C	सामान्य जागरूकता (सामान्य ज्ञान, सामयिक घटनाओं के ज्ञान व समाज की सामान्य जागरूकता का परीक्षण)	25	50	
D	English Language	25	50	

2. द्वितीय चरण : लिखित परीक्षा

1. प्रथम चरण की परीक्षा को उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को ही द्वितीय चरण की परीक्षा में प्रवेश दिया जाएगा।
2. यह वर्णनात्मक प्रश्न पत्र होगा जो ऑफलाईन आयोजित किया जाएगा।
3. इस परीक्षा में एक निबंध तथा एक पत्र लिखना होगा।
4. यह प्रश्न पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी दो भाषाओं में होगा। अभ्यर्थी को एक भाषा का चयन करना होगा।
5. यह परीक्षा 100 अंकों की होगी तथा समयावधि 60 मिनट होगी।
6. इस परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 33 प्रतिशत होगा।

3. तृतीय चरण : वे अभ्यर्थी जिन्होंने प्रथम एवं द्वितीय चरण की परीक्षा में न्यूनतम अंक अर्जित किए हैं, उन्हें तृतीय चरण में कौशल परीक्षण (Skill Test) के लिए बुलाया जाएगा। इस चरण में दो तरह के परीक्षण शामिल हैं :-

- (1) **स्पीड टेस्ट (Speed Test):** यह डाटा एंट्री ऑपरेटर (D.E.O.) के लिए आयोजित होता है। इस टेस्ट को उत्तीर्ण करने के लिए 15 मिनट में अंग्रेजी भाषा में कम्प्यूटर पर 2000 शब्द लिखना जरूरी है। हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थियों को यह टेस्ट उत्तीर्ण करने हेतु 30 शब्द प्रति मिनट तथा अंग्रेजी भाषा के अभ्यर्थियों के लिए 35 शब्द प्रति मिनट का मानक निर्धारित है।
- (2) **टाइपिंग टेस्ट(Typing Test):** एलडीसी (LDC), जेएसए (JSA), पीए(PA) के पदों के लिए आवेदन करने वालों को यह टेस्ट हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में देना होता है।

(C) अंतिम चरण : एस.एस.सी. द्वारा अभ्यर्थी प्रथम एवं द्वितीय चरण में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट बनाकर अभ्यर्थी की मेरिट, वरीयता श्रेणी आदि के आधार पर सेवा का आवंटन किया जाता है।

11.3 एस.एस.सी. सी.जी.एल. परीक्षा (SSC CGL Exam) या संयुक्त स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा:-कर्मचारी चयन आयोग की यह एक महत्वपूर्ण परीक्षा है जिससे भारत सरकार में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, एवं संगठनों में मौजूद ग्रुप बी (गैर तकनीकी) तथा ग्रुप सी (गैर राजपत्रित) पदों को भरने के लिए अभ्यर्थियों का चयन करने के लिए आयोजित की जाती है। इस परीक्षा के माध्यम से आयकर विभाग, उत्पाद एवं सीमा शुल्क विभाग, सीबीआई, नारकोटिक्स ब्यूरो, राष्ट्रीय जाँच एजेंसी, डाक विभाग आदि केन्द्रीय विभागों या संगठनों में निरीक्षक, परीक्षक या सहायक के पदों पर भर्ती करते हैं।

11.3.1 .आवेदन हेतु योग्यताएँ/पात्रता :

पद का नाम	आयु	शैक्षणिक योग्यता
1. सहायक (Assistants)-भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय विभाग एवं अधीनस्थ कार्यालयों में।	18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग को नियमानुसार ऊपरी आयु में छूट है जिसके लिए विज्ञप्ति में विवरण देखें।	1. असिस्टेंट ऑडिट ऑफिसर या असिस्टेंट अकाउंट ऑफिसर (A) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री। (B) वांछनीय पात्रता चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) या कोस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (CMA), या कम्पनी सेक्रेटरी (CS) या एम. कॉम या बिजनेस स्टेडीज या बिजनेस इकोमिक्स में मास्टर डिग्री
2. निरीक्षक (Inspector), प्रिवेंटिव अधिकारी (Preventive Officer), परीक्षक (Examiner)-केन्द्रीय उत्पादक एवं सीमा शुल्क विभाग (CE & C) एवं आयकर विभाग		2. कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी (JSO) (A) मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री एवं (B) 10+2 कक्षा गणित विषय सहित 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण हो
3. उप निरीक्षक (Sub Inspector)-सीबीआई (CBI), केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN), राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA)		

4. सहायक प्रवर्तन अधिकारी (प्रवर्तन निदेशालय, राजस्व विभाग भारत सरकार)		या सांख्यिकी विषय के साथ स्नातक डिग्री उत्तीर्ण हो।
5. डिविजन एकाउंटेंट, जूनियर एकाउंटेंट, एकाउंटेंट ऑडिटर, यू.डी.सी.-भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय एवं विभाग		3. अन्य किसी भी पदों के लिए पात्रता (A) मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थ से किसी भी संकाय में स्नातक डिग्री धारक करता हो।
6. ऑडिटर-C & AG, CGDA, CGA असिस्टेंट ऑडिट ऑफिसर (AAO), असिस्टेंट अकाउंट ऑफिसर (AAO),		4. जो अभ्यर्थी अंतिम वर्ष में अध्ययनरत है वे आवेदन कर सकते हैं लेकिन डाटा एंट्री या कम्प्यूटर पात्रता संबंधी टेस्ट से पूर्व डिग्री प्रमाण पत्र पेश करना होगा।
7. कर सहायक (Tax Assistant)-CBDT & CBEC		

11.3.2 भर्ती प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रम : इस परीक्षा (SSC CGL) की भर्ती प्रक्रिया चार चरणों में सम्पन्न होती है

11.3.2.1 प्रथम चरण- कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन परीक्षा : प्रत्येक सही उत्तर के लिए 2 अंक तथा गलत उत्तर के लिए एक चौथाई अंक का ऋणात्मक अंकन होगा।

प्रश्न पत्र का प्रारूप

परीक्षा	भाग	विषय	प्रश्न सं.	अंक	समय
प्रथम चरण	A	सामान्य बुद्धि एवं तर्क (सोचने व समस्या निवारण कौशल की क्षमता परीक्षा)	25	50	1 घंटा दिव्यांग व दृष्टिहीन को 20 मिनट अतिरिक्त
	B	सामान्य जागरूकता (सामान्य ज्ञान, सामयिक घटनाओं के ज्ञान व समाज की सामान्य जागरूकता का परीक्षण)	25	50	
	C	संख्यात्मक योग्यता (गणितीय कौशल का परीक्षण)	25	50	
	D	English Comprehension (अंग्रेजी भाषा में दक्षता परीक्षण)	25	50	

इस परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम उत्तीर्णांक अनारक्षित वर्ग हेतु 30 प्रतिशत, ओबीसी व ईडब्ल्यूएस वर्ग हेतु निर्धारित 25 प्रतिशत व अन्य वर्ग के 20 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण की परीक्षा के लिए योग्य घोषित किया जाता है।

2. द्वितीय चरण-कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन परीक्षा : इस चरण में बहुविकल्पीय चार प्रश्न पत्र होंगे।

प्रश्न पत्र का प्रारूप

क्र.सं.	प्रश्न पत्र	विषय	प्रश्न संख्या	अंक	समय
1.	I	संख्यात्मक योग्यता (Quantitative Abilities)	100	200	2 घंटे
2.	II	English Language and Comprehension	200	200	
3.	III	सांख्यिकी (Statistics)	100	200	
4.	IV	सामान्य अध्ययन (वित्त एवं अर्थशास्त्र) (General Studies)	100	200	

(1) प्रश्न पत्र I, III, IV में गलत उत्तर देने पर आधा अंक तथा प्रश्न पत्र II में एक चौथाई अंक काटे जाएंगे।

(2) प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र सभी के लिए अनिवार्य होगा जबकि तृतीय प्रश्न पत्र (JSO) या (SI) या (Compiler) हेतु तथा चतुर्थ प्रश्न पत्र AAO पद के लिए होगा।

(3) **न्यूनतम उत्तीर्णांक-** प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग हेतु 30 प्रतिशत, ओबीसी व ईडब्ल्यूएस वर्ग हेतु 25 प्रतिशत व अन्य हेतु 20 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. तृतीय चरण लिखित परीक्षा :

(1) यह वर्णनात्मक प्रश्न पत्र होगा जो कि ऑफलाईन आयोजित किया जाएगा।

(2) हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में आयोजित होगा एवं इसमें अभ्यर्थी को किसी एक भाषा का चयन कर उसमें उत्तर लिखना होगा। दोनों भाषाओं में उत्तर लिखने पर शून्य अंक दिए जाएंगे।

- (3) यह 100 अंक की परीक्षा होगी जिसमें अभ्यर्थी को 60 मिनट का समय दिया जाएगा।
- (4) इस प्रश्न पत्र में निबंध, गद्यांश, पत्र, प्रार्थना पत्र, आवेदन पत्र आदि लिखना होता है।
- (5) इस परीक्षा में अनारक्षित वर्ग हेतु 30 प्रतिशत, ओबीसी व ईडब्ल्यूएस वर्ग हेतु 25 प्रतिशत व अन्य अभ्यर्थियों हेतु 20 प्रतिशत न्यूनतम अंक प्राप्त करने पर ही क्वालिफाई घोषित किया जाएगा।

4. चतुर्थ चरण :

(1) इस चरण मुख्य में रूप से कौशल परीक्षण होता है जिसमें कम्प्यूटर कौशल परीक्षण शामिल है जो दो तरह का है :-

(1) DEST (Data Entry Skill Test) : यह टेस्ट CBIC और CBDT दो विभागों में कर सहायक पद के लिए आवेदनकर्ता को देना अनिवार्य है जिसमें अंग्रेजी भाषा में 15 मिनट में कम्प्यूटर पर 2000 शब्द लिखना आवश्यक है।

(2) CPT (Computer Proficiency Test) : यह Assistant Section Officer (CSS), MEA, AFHQ, Gen Excise Inspector, POI आदि पदों के आवेदनकर्ताओं के लिए आयोजित होता है।

- इसमें अभ्यर्थी से टाईप करवाकर, स्लाइड बनवाकर तथा अन्य तरीके से कम्प्यूटर ज्ञान का परीक्षण किया जाता है।

- यह क्वालिफाईंग परीक्षा है इसमें अनुत्तीर्ण रहने वाले अभ्यर्थी ऊपर लिखित पदों के अलावा अन्य सभी पदों के लिए चयन हेतु पात्र होंगे

(2) **फिजिकल टेस्ट** : इस परीक्षा में निम्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का फिजिकल टेस्ट होता है। यह चौथे चरण की परीक्षा के बाद होता है। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) में निरीक्षक (Inspector), केन्द्रीय एक्ससाईज विभाग में निरीक्षक, निरीक्षक परीक्षक, निरीक्षक प्रिवेंटिव ऑफिसर एवं सीबीआई, एन.आई.ए. एवं केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) पद में उप निरीक्षक (SI) हेतु फिजिकल टेस्ट जरूरी होता है।

(1) शारीरिक मानदंड(Physical Standard):

क्रसं.	विवरण	ऊँचाई		वजन	सीना (सिर्फ पुरुष हेतु)	
		पुरुष	महिला	महिला	सामान्य	फुलाने पर
1	सामान्य श्रेणी	157.5cm	152.5cm	48kg	76cm	81cm
2	गढ़वाल, असमी, गोरखा, एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों को छूट	5cm	-	2 kg	-	-

(2) फिजिकल टेस्ट :

विवरण	पुरुष	महिला
दौड़ पैदल चाल	1600 मीटर 15 मिनट में	1 किलोमीटर 20 मिनट में
साईकलिंग	8 किलोमीटर 30 मिनट में	3 किलोमीटर 25 मिनट में

(3) शारीरिक मापदण्ड

विवरण	उप निरीक्षक (एन.आई.ए.)		उप निरीक्षक (सीबीआई)	
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
ऊँचाई	170 सेमी.	150 सेमी.	165 सेमी.	150 सेमी.
सीना	76-81 सेमी.	—	76-81 सेमी.	—
पहाड़ी व एसटी वर्ग को छूट	5 सेमी	5 सेमी	5 सेमी	5 सेमी

(4) **मेडिकल परीक्षण** : फिजिकल टेस्ट के बाद इन उम्मीदवारों का मेडिकल टेस्ट होता है। जिसमें उत्तीर्ण होना जरूरी है।

5. **अंतिम चयन** : कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय चरण में आयोजित लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर अंतिम मेरिट लिस्ट श्रेणीवार जारी की जाती है। अन्य सभी टेस्ट क्वालिफाईंग है उन्हें उत्तीर्ण करने पर ही अंतिम चयन सूची में शामिल किया जाता है।

11.4 कर्मचारी चयन आयोग जूनियर इंजीनियर परीक्षा (SSC JE (Junior Engineer) Exam)

आयोग (SSC) द्वारा भारत सरकार के अधीन इंजीनियर की जरूरत वाले विभागों एवं संगठनों में ग्रुप बी के तकनीकी खाली पदों को भरने के लिए यह परीक्षा आयोजित की जाती है। जो अभ्यर्थी इंजीनियरिंग कर चुके हैं एवं भारत सरकार के विभागों में इंजीनियर के रूप में सेवा देना चाहते हैं। उनके लिए यह परीक्षा सुनहरा अवसर प्रदान करती है। इसके तहत कनिष्ठ अभियंता (सिविल या इलेक्ट्रिकल या मेकेनिकल, सिविल एवं मेकेनिकल, इलेक्ट्रिक मेकेनिकल) आदि पदों पर भर्ती की जाती है।

11.4.1 आवेदन हेतु योग्यताएँ/पात्रता :

आयु	शैक्षणिक
18 से 27 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग को नियमानुसार ऊपरी आयु में छूट है	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से तीन विषयों (Civil, Electrical, Mechanical) में से किसी भी एक विषय में बी.टेक (B.Tech) या बी.ई (B.E.) की डिग्री या डिप्लोमा धारक हो। विशेष कोर्स योग्यता : इस परीक्षा के तहत कनिष्ठ इंजीनियर के विभिन्न पदों पर अलग-अलग योग्यताएँ निर्धारित की गई हैं। J.En. (Civil) हेतु Civil Engineering में डिग्री या डिप्लोमा J.En. (Electrical) हेतु Electrical या Mechanical Engineering में डिप्लोमा, J.En. (Elec. & Mech.) हेतु इन शाखाओं डिग्री तथा अन्य पदों हेतु विज्ञप्ति में दर्शाई गई विशिष्ट योग्यता होना जरूरी है।

11.4.2 परीक्षा पद्धति एवं पाठ्यक्रम : जूनियर इंजीनियर (JE) परीक्षाद आयोग (SSC) द्वारा दो चरणों में आयोजित होती है जिसमें दो प्रश्न पत्र होते हैं :-

(A) प्रथम चरण : कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन परीक्षा होगी, जिसमें बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। प्रश्न पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होगा।

प्रश्न पत्र का प्रारूप

क्र.सं.	भाग	विषय	प्रश्न संख्या	अंक	समय
1.	I	सामान्य बुद्धि एवं तर्क	50	50	2 घंटा
	II	सामान्य जागरूकता	50	50	
	III	पार्ट 1 सामान्य इंजीनियरिंग, (सिविल) पार्ट 2 सामान्य इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रीकल) पार्ट 3 सामान्य इंजीनियरिंग (मेकेनिकल)	100	100	
		योग		200	

(B) द्वितीय चरण (लिखित परीक्षा) : यह प्रश्न पत्र वर्णनात्मक होगा। इस परीक्षा में पद के अनुरूप तकनीकी पाठ्यक्रम निम्न तीन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे।

(1) जूनियर इंजीनियर (JE) द्वितीय प्रश्न पत्र में तीन विषय हैं

Part (A) Civil Structural Part (B) Civil Electrical Part (C) Civil Mechanical

अभ्यर्थी को अपनी डिग्री एवं आवेदित पोस्ट के मुताबिक तीन विषयों में से किसी एक विषय के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(2) यह प्रश्न पत्र 300 अंक का होगा तथा समयावधि दो घंटे होगी।

11.4.3 अंतिम चयन : अभ्यर्थी द्वारा प्रथम चरण की परीक्षा एवं द्वितीय चरण के प्रश्न पत्र की लिखित परीक्षा में अर्जित कुल अंक के आधार पर कर्मचारी चयन आयोग द्वारा मेरिट निर्धारित कर अभ्यर्थी को कनिष्ठ इंजीनियर के पद पर नियुक्ति हेतु सफल घोषित कर दिया जाता है।

11.5 कर्मचारी चयन आयोग आशुलिपिक परीक्षा (SSC Stenographer Exam.)

भारत सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालयों, विभागों एवं संगठनों में आशुलिपिक के पद पर भर्ती हेतु आयोग (SSC) यह परीक्षा आयोजित करता है।

11.5.1 आवेदन हेतु योग्यताएँ/पात्रता :

आयु	शैक्षणिक योग्यता
-----	------------------

18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग को नियमानुसार ऊपरी आयु में छूट है	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से किसी भी संकाय में 10+2 परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।
---	--

11.5.2 परीक्षा पद्धति एवं पाठ्यक्रम : यह परीक्षा दो चरणों में आयोजित होती है।

1. प्रथम चरण : लिखित परीक्षा

- (1) कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन परीक्षा होगी, जिसमें बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।
- (2) यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभाजित होगा तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगा।
- (3) प्रश्न पत्र में $\frac{1}{4}$ ऋणात्मक अंकन होगा।

प्रश्न पत्र का प्रारूप

भाग	विशय	प्रश्न संख्या	अंक	समय
A	सामान्य बुद्धि एवं तर्क	50	50	दो घंटे
B	सामान्य जागरूकता	50	50	
C	English Language and Comprehension	100	100	

2. द्वितीय चरण (स्टेनोग्राफर कौशल परीक्षण) : यह कौशल परीक्षण क्वालिफाईंग प्रकृति का है। इस परीक्षण में अभ्यर्थी को तय समय सीमा में बोले गए शब्द आशुलिपि में लिखकर उन शब्दों को बाद में 10 मिनट में कम्प्यूटर में टाईप करना होता है। (a) स्टेनोग्राफर ग्रेड सी पद के लिए कौशल परीक्षण उत्तीर्ण करने हेतु 100 शब्द प्रति मिनट की स्पीड से बोले गए शब्दों को एक नोट बुक में लिखकर अंग्रेजी माध्यम के अभ्यर्थी को 40 मिनट में व हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थियों को 55 मिनट का समय टाईप हेतु दिया जाएगा।

(b) स्टेनोग्राफर ग्रेड डी पद हेतु कौशल परीक्षण में 80 शब्द प्रति मिनट की स्पीड से बोले गये शब्दों को नोट कर अंग्रेजी माध्यम में 50 मिनट तथा हिन्दी माध्यम में 65 मिनट टाईप करना होगा।

11.5.3 अंतिम चयन : अभ्यर्थी द्वारा कौशल परीक्षण पास करने के बाद उसके द्वारा लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर रिक्त पदों के विरुद्ध श्रेणीवार चयन कर लिया जाता है।

11.6 जूनियर हिन्दी अनुवादक (SSC JHT)

भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों एवं संगठन में अनुवादक पद हेतु यह भर्ती आयोजित करता है।

11.6.1 आवेदन हेतु योग्यताएँ/पात्रता :

आयु	शैक्षणिक
आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिन्दी में एम.ए. उत्तीर्ण हो एवं साथ में अंग्रेजी विषय भी हो
आरक्षित वर्ग को नियमानुसार ऊपरी आयु में छूट है	या किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम.ए. उत्तीर्ण हो एवं साथ में हिन्दी विषय भी हो
	या किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में एम.ए. हो तथा साथ में अकादमिक अध्ययन में हिन्दी या अंग्रेजी में से कोई भी विषय हो।
	अतिरिक्त योग्यता : उपर्युक्त शैक्षिक योग्यता के साथ मान्यता प्राप्त संस्था से हिन्दी से अंग्रेजी या अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद में डिप्लोमा या अनुवाद का कोर्स उत्तीर्ण हो। यदि ऐसा डिप्लोमा या प्रमाण पत्र नहीं है तो किसी भी सरकारी विभाग में अनुवादक का दो साल का अनुभव होना चाहिए।
	या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री हिन्दी या अंग्रेजी में हो जिसके साथ हिन्दी या अंग्रेजी मुख्य विषय हो।

11.6.2 परीक्षा पद्धति एवं पाठ्यक्रम : यह परीक्षा दो चरणों में आयोजित होती है।

(A) प्रथम चरण : कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन परीक्षा होगी एवं बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र होगा। प्रश्न पत्र में सही उत्तर देने पर एक अंक एवं गलत उत्तर देने पर एक चौथाई अंक का ऋणात्मक अंकन होगा।

प्रश्न पत्र का प्रारूप

क्र.सं.	भाग	विशय	प्रश्न संख्या	अंक	समय
---------	-----	------	---------------	-----	-----

1.	A	सामान्य हिन्दी	100	100	दो घंटे
	B	General English	100	100	

(B) द्वितीय चरण : इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अभ्यर्थियों के अनुवाद कौशल और लेखन कौशल तथा हिन्दी व अंग्रेजी भाषाओं को सही सटीक व प्रभावी ढंग से समझने की क्षमता का परीक्षण करना है।

(1) यह लिखित परीक्षा 200 अंक की होगी, जिसमें 100 अंक हिन्दी एवं 100 अंक अंग्रेजी के प्रश्न पत्र के होंगे।

(2) परीक्षा के लिए दो घंटे का समय होगा।

(3) प्रश्न पत्र में चार तरह के प्रश्न पूछे जाएंगे।

1. हिन्दी से अंग्रेजी में अनुच्छेद अनुवाद।

3. अंग्रेजी से हिन्दी में अनुच्छेद अनुवाद।

2. अंग्रेजी निबंध।

4. हिन्दी निबंध।

3. अंतिम चयन : अभ्यर्थी द्वारा प्रथम व द्वितीय प्रश्न पत्र में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट से रिक्त पदों व श्रेणीवार चयन कर लिया जाता है।

11.7 कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन :-

1. वे अभ्यर्थी जो कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के जरिए सरकारी पद पर चयनित होना चाहते हैं उनको कक्षा दसवीं उत्तीर्ण करने के बाद कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में बैठने की योग्यता प्राप्त हो जाती है। दसवीं के बाद 10+2 कक्षा तत्पश्चात स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्री हासिल करने पर एस.एस.सी. की विभिन्न स्तर की परीक्षाओं में बैठने की पात्रता प्राप्त हो जाती है एवं इससे अनेक अवसर अभ्यर्थी को प्राप्त होते हैं जिनमें अपनी योग्यता, रुचि एवं प्राप्त अवसरों के मुताबिक लक्ष्य हासिल कर सकता है।

2. आयोग (SSC) की परीक्षा देने के इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रत्येक लेवल की परीक्षा पद्धति एवं उसके लिए निर्धारित पाठ्यक्रम को समझना चाहिए एवं उसके बाद ही परीक्षा तैयारी की कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

3. रणनीति के साथ तैयारी : आयोग (SSC) की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम का अध्ययन करने पर पाया गया है कि इसके विभिन्न चरणों के प्रश्न पत्र एवं पाठ्यक्रम में बहुत समानता है। ज्यादातर परीक्षाओं में (1) सामान्य बुद्धि एवं तर्क, (2) संख्यात्मक योग्यता (गणित), (3) सामान्य जागरूकता (सामान्य ज्ञान), के बहुविकल्पीय प्रश्न हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में पूछे जाते हैं। वही भाषा में (4) हिन्दी भाषा एवं (5) अंग्रेजी भाषा के बहुविकल्पीय प्रश्न या वर्णनात्मक प्रश्न (पत्र, आवेदन, निबंध) पूछे जाते हैं जिसमें अभ्यर्थी के व्याकरणिक ज्ञान, लेखन शैली एवं भाषायी कौशल का परीक्षण किया जाता है इस तरह समग्र रूप से देखा जाए तो कोई भी अभ्यर्थी इन पाँच विशयों के संबंध में गहन तैयारी करके आयोग (SSC) द्वारा आयोजित कोई भी परीक्षा में बैठकर अपनी मेहनत व दृढ़ संकल्प एवं इच्छा शक्ति के जरिए सफल हो सकता है। अलग-अलग परीक्षाओं के लिए एक साथ तैयारी की जा सकती है।

4. आयोग (SSC) की अधिकतर परीक्षाएँ ऑनलाईन आयोजित होती हैं तथा इनमें सैकेण्डरी एवं सीनीयर सैकेण्डरी स्तर का पाठ्यक्रम होता है। बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र मुख्यतः तथ्यात्मक ज्ञान पर आधारित होते हैं जिसके प्रमाणित स्रोत एनसीईआरटी (NCERT) पुस्तकें हैं। अतः आयोग (SSC) की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को शुरुआत में कक्षा 6 से 10 तथा कुछ विशयों की 11वीं-12वीं कक्षा की एनसीईआरटी (NCERT) की पुस्तकों का 2-3 बार अध्ययन कर स्वयं के नोट्स बनाकर निरंतर उनका रिविजन करके अपने आधारभूत ज्ञान एवं समझ को सुदृढ़ किया जाना चाहिए तत्पश्चात उक्त विशयों से संबंधित प्रामाणिक पुस्तकों का चयन कर उन पुस्तकों का निरंतर अध्ययन करते हुए उनके नोट्स बनाकर अपनी तैयारी को अंतिम रूप देना चाहिए। परीक्षा नजदीक आने पर आप सभी पुस्तकों को रिविजन नहीं कर पायेंगे इसलिए आप द्वारा बनाए नोट्स का रिविजन करके सिलेबस को कवर कर सकते हैं।

5. आयोग (SSC) की परीक्षाओं में सामान्य हिन्दी एवं अंग्रेजी का प्रश्न पत्र होता है जो सामान्यतः पेन पेपर आधारित (लिखित) होता है इसलिए अभ्यर्थी को हिन्दी और अंग्रेजी व्याकरण की एक-एक या दो-दो प्रामाणिक पुस्तकों का चयन कर उन पुस्तकों का अध्ययन करने के बाद निबंध लेखन, पत्र, अनुवाद आदि का निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए ताकि लेखन शैली, भाषा या अभिव्यक्ति आदि में निरंतर सुधार तथा परिमार्जन होता रहे। अंग्रेजी समाचार पत्र के निरंतर अध्ययन से भी अंग्रेजी भाषा की अच्छी तैयारी में मदद मिलेगी।

6. आयोग (SSC) की विभिन्न परीक्षाओं के पूर्व के चार-पाँच वर्षों के प्रश्न पत्र का अध्ययन कर परीक्षा में आने वाले प्रश्नों का विशय या युनिट के अनुसार संख्या, प्रश्नों की प्रकृति आदि को समझना चाहिए एवं तत्पश्चात अपनी तैयारी की कार्य योजना बनाकर उस परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। कम से कम दो बार सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद पूर्व के प्रश्न पत्र तथा मॉडल प्रश्न पत्र हल करते रहना चाहिए ताकि समय प्रबंधन एवं पाठ्यक्रम के कमजोर या कम तैयार टॉपिक की भी जानकारी मिलती रहेगी जिससे अपनी कमियों व कमजोरियों की पहचान तथा उन्हें दूर करने में सहायता मिलेगी। आजकल ऑनलाईन मॉडल प्रश्न पत्र विभिन्न युट्यूब चैनल या वेबसाइट पर उपलब्ध है इसलिए इनसे तैयारी करना भी लाभदायक रहेगा।

7. आयोग (SSC) की परीक्षा तैयार करने वाले विद्यार्थियों को प्रश्न पत्र एवं विषयों के मुताबिक प्रतिदिन से लेकर मासिक, त्रैमासिक लक्ष्य एवं समय सारणी बनानी चाहिए। समय सारणी में केवल पढ़ाई ही नहीं इसके साथ खेल, योग, घूमना, हॉबी, आराम, मनोरंजन, संगीत आदि को भी पर्याप्त समय या स्थान देना चाहिए क्योंकि पढ़ाई के साथ-साथ सरल ज्ञान गृहिता बनने हेतु मानसिक शारीरिक स्वास्थ्य आदि के दृष्टिकोण से इन गतिविधियों में भी भाग लेना जरूरी है इसलिए उपलब्ध उचित समय के मुताबिक समय सारणी बनाकर उसका ईमानदारी से पालन करते हुए अध्ययन करना चाहिए।
8. समसामयिकी भी की विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्न पत्र का एक हिस्सा जिसमें राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में घटित हो रही घटनाओं मुद्दों आदि के सम्बंध में प्रश्न पूछे जाते हैं इसलिए अभ्यर्थी को इसके बारे में निरंतर अपडेट रहने के लिए आकाशवाणी, बीबीसी लंदन या अन्य निष्पक्ष युट्यूब चैनल से दैनिक, साप्ताहिक व मासिक समाचार विश्लेषण सुनने चाहिए। प्रतिदिन हिन्दी में कोई एक समाचार पत्र तथा अंग्रेजी में कोई एक समाचार पत्र (द हिन्दू या द इण्डियन एक्सप्रेस) का अध्ययन करें तथा इसमें प्रकाशित महत्वपूर्ण घटनाओं, मुद्दों एवं सम्पादकीय को पढ़कर सम्भव हो तो मुख्य-मुख्य बातें किसी रजिस्टर में नोट करते रहें जिससे आपका करेंट अफेयर्स का ज्ञान बहुत अच्छा हो जाएगा। यह सभी प्रकार की परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। साथ ही मासिक पत्रिकाओं (कॉनिकल, दृष्टि टूडे आदि) में से किसी एक मासिक पत्रिका का भी निरंतर अध्ययन करके समसामयिक मुद्दों पर तथ्यात्मक ज्ञान एवं विवेचनात्मक समझ को मजबूती देने का निरंतर प्रयास करते रहे।
9. आयोग (SSC) की किसी एक या दो परीक्षाओं के किसी चरण को पार नहीं करने पर हताश या निराश नहीं होवें क्योंकि ये परीक्षाएँ प्रतिवर्ष आयोजित होती हैं इसलिए इसमें बैठने एवं चयनित होने के खूब अवसर उपलब्ध हैं। एक या दो असफलताओं से मायूस ना होकर असफलता के कारणों को जानकर कमजोर पक्ष को दूर कर पुनः दुगुने जोश के साथ पथ पर चलना शुरू कर देना चाहिए।
10. प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए सुनियोजित कार्य योजना बनाकर उस पर आत्म अनुशासन से अनुसरण करें। परीक्षा की तैयारी के तीन चरण हैं पढ़ना, रिवीजन करना एवं अभ्यास करना। आपको पाठ्यक्रम के बारे में पढ़ना है, जिसको अच्छी तरह से समझना है। पाठ्यक्रम के नोट्स या पुस्तकें बार-बार पढ़कर रिवीज करने एवं अभ्यास करने से तैयारी अच्छी होगी। सीखने के लिए दूसरे के पढ़ाई के तरीके, पढ़ाई के घंटों आदि का अनुसरण करने के बजाय अपने तरीके से समय सारणी बनाकर पढ़ाई करें। आप कॉपी बनने का प्रयास नहीं करें, केवल दूसरों से अच्छी बातें या तरीके ही ग्रहण करें तथा आप पर लागू होने योग्य तरीकों का अनुसरण करें। आप पढ़ी गई विषयवस्तु को अभ्यास के जरिये समझने का प्रयास करें नाकि रटकर या तथ्यों, सूचनाओं को कंठस्थ करके चेप्टर पूर्ण करने का प्रयास नहीं करें। समझी गई विषय वस्तु मस्तिष्क पटल पर स्थाई रहती है जो परीक्षा में अच्छे अंक लाने का नायाब तरीका है। ऑनलाईन टेस्ट या मॉक टेस्ट से प्रैक्टिस करने पर प्रश्न पत्र के लिए उपलब्ध समय का प्रश्न पत्र के भागों के मुताबिक उपयुक्त समय का विभाजन करने में सहायता मिलेगी ताकि जब भी परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट होगा तब निर्धारित समय में प्रश्न पत्र को हल कर पाएगा। परीक्षार्थी मॉक टेस्ट अभ्यास के जरिए यह जान लेता है कि किस भाग को हल करने में कितना समय देना है जिससे उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा।
11. आयोग (SSC) की परीक्षाओं में ऋणात्मक अंक का प्रावधान है इसलिए अभ्यर्थी को चाहिए कि जिस प्रश्न का उसे कोई भी आइडिया नहीं है जिसके सम्बंध में उसका विश्वास नहीं है, ऐसे प्रश्नों को हल नहीं करना चाहिए। गणित या रिजनिंग के ऐसे प्रश्न जिनको आप बिलकुल हल नहीं कर पा रहे हैं उन प्रश्नों पर समय एवं दिमाग की खपत करने के बजाय अन्य सवाल हल करें क्योंकि प्रत्येक प्रश्न का हल आना जरूरी नहीं है। दो चार प्रश्नों के उत्तर नहीं आने पर कदापि निराश नहीं होवें क्योंकि हो सकता है प्रश्न पत्र का स्तर थोड़ा कठिन हो तथा आपकी तुलना में अन्य प्रतियोगी के लिए यह प्रश्न पत्र और भी कठिन स्तर का हो सकता है इसलिए परीक्षा के दौरान ऐसा कोई नकारात्मक विचार मन में नहीं लाकर सकारात्मकता से प्रश्न पत्र को हल करें।
12. आयोग (SSC) के प्रत्येक चरण को गम्भीरता से ले तथा प्रत्येक चरण के अनुसार रणनीति बनाकर उस पर अनुशासित तैयारी करें। भ्रांतियों, अफवाहों, पूर्वाग्रहों आदि पर ध्यान न दें जैसे आर्थिक स्थिति कमजोर है सामाजिक पिछड़ापन है। परीक्षा पास करने के लिए आर्थिक, सामाजिक पिछड़ापन के बहाने नहीं हैं केवल मेहनत जरूरी है। कुछ कहते हैं हम अंग्रेजी एवं गणित में कमजोर हैं। अपनी कमजोरियों के नकारात्मक पक्ष की कमियों को दूर कर सकारात्मक विचार करते हुए अंग्रेजी व गणित की अच्छी तैयारी करें। कुछ के मन में है कि हमारा माध्यम हिन्दी है एवं हम ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं। यह भी आपका सबल पक्ष है कि आप हिन्दी भाषी हैं जिनका सफलता प्रतिशत अच्छा है। लाखों परीक्षार्थी भाग लेते हैं जबकि पोस्ट बहुत कम है। याद रखो फार्म भरने वाले लाखों हैं लेकिन मन से तैयारी करने वाले लाखों नहीं हैं। वहीं आपके लिए कुल पोस्ट की संख्या मायने नहीं रखती क्योंकि आपको तो एक ही सीट चाहिए। परीक्षार्थियों का कहना है परीक्षार्थियों का कहना है कि परीक्षा के कई चरण हैं जिन्हें पास करने के लिए कोचिंग जरूरी है। भर्ती के कई चरण सबके लिए हैं एवं बिना कोचिंग के भी बहुत से अभ्यर्थी चयनित हो रहे हैं। आपको तो केवल कर्म करना चाहिए सफलता जरूर मिलेगी।
13. **आयोग (SSC) की विभिन्न परीक्षाओं हेतु पुस्तकें-** विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु आयोग या बोर्ड द्वारा किसी भी पुस्तक का नाम सुझाया नहीं जाता है। वे केवल पाठ्यक्रम या टॉपिक ही निर्धारित करते हैं। आयोग (SSC) की विभिन्न परीक्षाओं हेतु निम्न पुस्तकें भी उपयोगी हो सकती हैं लेकिन परीक्षार्थी अपने

ज्ञान, अनुभव या मार्गदर्शन से किसी भी पुस्तक का चयन कर सकते हैं लेकिन विनम्र राय है कि प्रामाणिक पुस्तकें चुनें एवं फिर बार-बार पुस्तकें नहीं बदलें। उन्हीं पुस्तकों का निरंतर अध्ययन करें। रेल्वे भर्ती बोर्ड व कर्मचारी चयन आयोग, बैंक की परीक्षाओं हेतु निम्न पुस्तकों में से कतिपय पुस्तकें उपयोगी हो सकती है—

1. सामान्य बुद्धि एवं तर्क (कोई दो पुस्तक)
 - (a) मौखिक एवं अशाब्दिक तर्क (Verbal & Non Verbal Reasoning) आर.एस. अग्रवाल
 - (b) मास्टर रीजनिंग बुक (वर्बल, नॉन वर्बल और एनालिटिकल) : बी.एस. सिजवाली, अरिहंत प्रकाशन
 - (c) एसएससी (SSC) रीजनिंग चैप्टर वाइज सॉल्व्ड पेपर्स : प्रतियोगिता किरण या अरिहंत प्रकाशन
 - (d) रीजनिंग : राकेश यादव
 - (e) रीजनिंग एवं भाषिक तर्क शक्ति :— आर.

के. झा

- (f) सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति परीक्षण के झा
- (g) एनालिटिकल रीजनिंग : एम.के. पांडे
2. सामान्य जागरूकता (General Awareness)
 - लूसेंट सामान्य ज्ञान एवं लूसेंट सामान्य विज्ञान
 - एनसीईआरटी (NCERT) की पुस्तकें (आधारभूत प्रामाणिक तथ्यात्मक ज्ञान हेतु)
 - पूर्व के वर्षों के सॉल्व्ड प्रश्न पत्र— अरिहंत प्रकाशन या अन्य प्रकाशन
3. संख्यात्मक योग्यता (Quantitative Aptitude) (कोई दो पुस्तक)
 - मेथेमेटिक्स : राकेश यादव
 - एडवांस गणित : राकेश यादव
 - उन्नत गणित के साथ खेल : अभिनव शर्मा
 - Quantum CAT : Sarvesh Verma / फास्ट ट्रेक वस्तुनिष्ठ गणित – अरिहंत (अभ्यास हेतु)
 - Quicker Maths : M. Tyra
 - अंक गणित —आर.एन. अग्रवाल
4. सामान्य अंग्रेजी (कोई दो पुस्तक)
 - Plinth to Paramount - Neetu Singh
 - A Mirror of Common Errors – Ashok Kumar Singh
 - Word Power Made Easy- Norman Lewis (For Vocabulary)
 - Objective General English- SP Bakshi (Arihant Publication) (For Practice)
5. सामान्य हिन्दी (कोई दो पुस्तक एक व्याकरणिक ज्ञान हेतु एवं एक अभ्यास हेतु)
 - हिन्दी व्याकरण : राज. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर
 - हिन्दी व्याकरण एवं रचना : ल्यूसेंट
 - आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना : डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद
 - हिन्दी शब्द अर्थ : डॉ. हरदेव बाहरी
 - नालंदा सामान्य हिन्दी : डॉ. पृथ्वीनाथ पांडेय
 - अभ्यास हेतु : वस्तुनिष्ठ सामान्य हिन्दी (आदित्य प्रकाशन) या घटनाचक्र की सामान्य हिन्दी की पुस्तक

*जिन्दगी दो दिन की है एक दिन आपके हक में, एक दिन आपके खिलाफ,
जिस दिन पक्ष में हो गरुर मत करना और जिस दिन खिलाफ हो थोड़ा सा सब्र जरुर रखना।*